आकाशवाणी केन्द्र शिमला

04.07.2024 / प्रादेशिक समाचार / 1800बजे

सम्पूर्णता अभियान

भारत सरकार के आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम के तहत नीति आयोग द्वारा आज से 30 सितम्बर तक 3 महीने का सम्पूर्णता अभियान शुरू किया गया। प्रदेश के आकांक्षी ज़िला चंबा में भी इस अभियान की शुरूआत की गई। इस अवसर पर उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने संपूर्णता अभियान के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए एक जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में स्कूली बच्चों ने स्लोगन के माध्यम से लोगों को अभियान के बारे में जानकारी दी। बाद में चंबा स्थित बचत भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व आशा वर्करों को उपायुक्त ने शपथ दिलाई और संपूर्णता अभियान के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान उपायुक्त ने इस अभियान से लोगों को जोड़ने के लिए हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत करने के साथ सैल्फी बूथ पर सैल्फी भी ली। बाद में उन्होंने विभिन्न स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों द्वारा लगाए गए फूड स्टॉल का भी अवलोकन किया। उपायुक्त ने बताया कि चंबा ज़िला के आकांक्षी ब्लॉक पांगी और तीसा में संपूर्णता अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सम्पूर्णता अभियान के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, टीकाकरण और सामाजिक विकास के लिए सभी पात्रों तक शत–प्रतिशत लाभ पहुंचाने पर बल दिया जाएगा।

हर्षवर्धन चौहान

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने सिरमौर ज़िला के मेधावी विद्यार्थियों को शाइनिंग स्टार अवार्ड से सम्मानित किया। निजी समाचार नेटवर्क द्वारा नाहन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और विभिन्न स्कूलों के 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 3 सौ 98 विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए शिक्षकों से छात्रों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान के साथ–साथ उनके चरित्र निर्माण पर ध्यान देने का आग्रह किया। हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के लिए अनेक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र में एक–एक राजीव गांधी मॉडल डे–बोर्डिंग स्कूल खोले जाएंगे और 18 विधानसभा क्षेत्रों में ऐसे स्कूलों के निर्माण के लिए 25 करोड़ रूपये जारी किए गए हैं।

जयराम

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश में अस्थिरता के दौर के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को दोषी ठहराया है। आज हमीरपुर में एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री लगातार विधायकों पर निराधार आरोप लगाते रहे, जिससे आहत होकर उन्होंने इस्तीफे देने का निर्णय लिया। जयराम ठाकुर ने कहा कि उपचुनाव में हार के डर से विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ने तीन महीने तक निर्दलीय विधायकों के इस्तीफे स्वीकार नहीं किए। उन्होंने कहा कि पूर्व भाजपा सरकार ने हमीरपुर ज़िले को मैडिकल कॉलेज, आई.पी.एच. और लोक निर्माण विभाग की डिविजन, मिनी सचिवालय व फोरलेन जैसी कई परियोजनाएं दी हैं

जबकि मुख्यमंत्री ने हमीरपुर से कई संस्थानों को डि–नोटिफाई कर लोगों के साथ धोखा किया है। इस बीच जयराम ठाकुर ने हमीरपुर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी आशीष शर्मा के समर्थन में सासन, धनेड़, बलोह और डिडवीं–टिक्कर में जनसभाओं को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सुक्खू सरकार ने डेढ़ साल में झूठ बोलने का रिकॉर्ड बनाया है और इस सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है, जबकि कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि सरकार के संरक्षण में माफिया पैर पसार रहा है और आए दिन घोटालों की संख्या बढ़ रही है।

<u>बिहारी लाल</u>

प्रदेश भाजपा महामंत्री बिहारी लाल शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हर रोज़ विकास के दावे कर रहे हैं, लेकिन 18 महीने की सरकार में हमीरपुर, देहरा और नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र विकास से वंचित क्यों रह गए हैं। एक बयान में उन्होंने कहा है कि हमीरपुर ज़ोन में लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली एक जांच का विषय बन चुकी है और यहां टैंडर दिलाने के लिए कानूनों को ताक पर रखकर अपने चहेतों को लाभ दिया जा रहा है। बिहारी लाल शर्मा ने मुख्यमंत्री पर अपने चहेतों को टैंडर दिलाने के लिए दबाव बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश मार्केटिंग बोर्ड में 7 करोड़ से ज़्यादा की लागत के डिजिटाइजेशन टैंडर को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं और मित्रों की सरकार के भ्रष्टाचार के कई मामले जनता के बीच उजागर हो रहे हैं।

<u>मौसम</u>

हिमाचल प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर से रफ्तार पकड़ ली है और बीती रात से राजधानी शिमला सहित प्रदेश के कई हिस्सों में जोरदार बारिश का कम जारी है। भारी बारिश के कारण शिमला के हिमलैंड और बेमलोई में भी दो पेड़ गिरे हैं, लेकिन इससे कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। मंडी जिला में भारी बरसात से बंद हुई एक सौ 62 सड़कों को बहाल करने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।